

प्रेषक,

अमित सिंह नेगी,
अपर सचिव,
उत्तराखण्ड शासन।

सेवामें,

निदेशक,
पर्यटन निदेशालय,
उत्तराखण्ड, देहरादून।

संस्कृति, पर्यटन एवं खेलकूद अनुभाग-1

देहरादून दिनांक 28 मार्च, 2013

विषय:-वित्तीय वर्ष 2012-13 में 13वें वित्त आयोग के अन्तर्गत पर्यटन विकास की परियोजनाओं हेतु अवशेष धनराशि की स्वीकृति विषयक।

महोदय,

उपर्युक्त विषयक शासनादेश संख्या-961/VI(1)/2013-02(27)/2011, दिनांक 18 जून, 2012 के क्रम में आपके पत्र संख्या-450/2-6-662(10)/2012-13, दिनांक 19 मार्च, 2013 के संदर्भ में मुझे यह कहने का निदेश हुआ है कि 13वें वित्त आयोग के अन्तर्गत कुमाऊँ/गढ़वाल मण्डल के पुराने शौचालयों के उच्चीकरण/सुदृढीकरण हेतु चालू वित्तीय वर्ष 2012-13 में ₹ 252.49 लाख की धनराशि व्यय हेतु अवमुक्त किये जाने की श्री राज्यपाल महोदय सहर्ष स्वीकृति प्रदान करते हैं :-

(धनराशि लाख रुपये में)

क्र० सं०	योजना का नाम	कार्यदायी संस्था द्वारा गठित आगणन की लागत	टी0ए0सी0 द्वारा संस्तुत धनराशि	पूर्व में स्वीकृत धनराशि	अवमुक्त की जा रही अवशेष धनराशि
1	कुमाऊँ मण्डल में 35 पुराने शौचालयों का उच्चीकरण/सुदृढीकरण	473.57	435.53	230.00	205.53
2	गढ़वाल मण्डल में 13 पुराने शौचालयों का उच्चीकरण/सुदृढीकरण	153.86	141.96	95.00	46.96
	योग :-	627.43	577.49	325.00	252.49

2- उपरोक्त धनराशि का व्यय शासनादेश संख्या-961/VI(1)/2013-02(27)/2011, दिनांक 18 जून, 2012 की शर्तों के अनुसार की जायेगी।

3- उक्त स्वीकृत धनराशि का दिनांक 31 मार्च, 2013 से पूर्व पूर्ण उपयोग कर लिया जायेगा।

4- कार्य प्रारम्भ के समय सम्बन्धित निर्माण एजेन्सी कार्यस्थल पर इस आशय का एक साईन बोर्ड स्थापित करेगा कि उक्त योजना/कार्य पर्यटन विभाग, उत्तराखण्ड के सौजन्य से (केन्द्र पोषित योजना के नाम सहित) किया जा रहा है, योजना प्रारम्भ करने का समय, इसकी लागत, पूर्ण करने का समय तथा कार्यदायी संस्था का विवरण भी अंकित किया जायेगा। सम्बन्धित जिला पर्यटक विकास अधिकारी उक्त कार्य का समय-समय पर भौतिक निरीक्षण कर कार्य की भौतिक प्रगति से प्रत्येक माह शासन को अवगत करायेगें एवं कार्य पूर्ण होने की सूचना व योजना का फोटोग्राफ्स अवश्य शासन को यथाशीघ्र उपलब्ध करायेगा।

5- कार्य के प्रति पूर्ण भुगतान करने से पूर्व किसी तृतीय पक्ष से इसकी गुणवत्ता की चेकिंग का कार्य उक्त अनुमोदित लागत से कराये जाने के बाद कार्य अनुमोदित आगणन के अनुसार होने की पुष्टि पर ही भुगतान किया जायेगा। यह दायित्व निदेशक पर्यटन का होगा। अतः निदेशक पर्यटन Third party Monitoring की व्यवस्था सुनिश्चित कर लें।

6- स्वीकृत की गयी धनराशि का किसी भी दशा में किसी अन्य मद में व्यय कदापि न किया जाय।

7- व्यय करते समय उत्तराखण्ड अधिप्राप्ति नियमावली 2008 कड़ाई से पालन सुनिश्चित किया जाय।

- 8- उपरोक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2012-13 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत लेखाशीर्षक-3452-पर्यटन-80-सामान्य-आयोजनागत-104-सम्बर्द्धन तथा प्रचार-01-केन्द्रीय आयोजनागत/केन्द्र द्वारा पुरोनिधानित योजनाएँ-02-13वें वित्त आयोग की संस्तुतियों के अन्तर्गत पर्यटन का विकास-20-सहायक अनुदान/अंशदान/राज सहायता के मानक मद के नामे डाला जायेगा।
- 9- उपरोक्त आदेश वित्त विभाग के अ0शा0सं0-867/XXVII(2)/2012, दिनांक 25 मार्च, 2013 में प्राप्त उनकी सहमति से जारी किये जा रहे हैं।
- 10- उक्त व्यय वर्तमान वित्तीय वर्ष 2012-13 के अनुदान संख्या-26 के अन्तर्गत अलोटमेंट आईडी- S.13.0.32.60660.....द्वारा निर्गत किया जा रहा है।

भवदीय,

(अमित सिंह नेगी)
अपर सचिव।

संख्या:- 891 /VI(1)/2013-02(27)/2011, तददिनांकित।

प्रतिलिपि निम्नलिखित को सूचनार्थ एवं आवश्यक कार्यवाही हेतु प्रेषित :-

- 1- महालेखाकार, लेखा एवं हकदारी, उत्तराखण्ड देहरादून।
- 2- मुख्य कोषाधिकारी, देहरादून।
- 3- आयुक्त गढ़वाल/कुमाऊँ मण्डल।
- 4- सम्बन्धित जिला/क्षेत्रीय पर्यटन विकास अधिकारी।
- 5- सचिव, वित्त विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 6- अपर सचिव, नियोजन विभाग, उत्तराखण्ड शासन।
- 7- निदेशक, वित्त आयोग निदेशालय, उत्तराखण्ड शासन।
- 8- वित्त अनुभाग-2, उत्तराखण्ड शासन।
- 9- एन0आई0सी0, उत्तराखण्ड सचिवालय परिसर।
- 10- गार्ड फाईल।

आज्ञा से,

(अमित सिंह नेगी)
अपर सचिव।